केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपालसंभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल-462 011
दूरभाषकमांक 2550728(D.C.)
2551678 (स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्सः 0755-2553126
ई-मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो /

दिनांक 18.08.2015

प्रिय प्राचार्य गण,

एक पुरानी लोकोक्ति है –'आप घोड़े को तालाब तक ले जा सकते हैं लेकिन पानी पीने के लिए मजबूर नहीं कर सकते '। एक घोड़ा अपने मालिक के लिए दौड़ जीतता है, विरोधी सेना पर हमला करने में अपने मालिक की मदद करता है तथापि वही घोड़ा कभी कभी लात मारता है, गलत दिशा में चला जाता है और वास्तव में तभी पानी पीता है जब वह पानी पीना चाहता है। यह विडंम्बना है कि यह बात मनुष्यों पर भी उसी तरह लागू होती है।

यदि आपकी टीम आपके दिशानिर्देशों का सहर्ष पालन करने से मना करती है (उदाहरणार्थ 100% परीक्षा परिणाम) तो क्या यह एक समस्या है, या एक लक्षण? सच्चाई यह है कि कार्य करने से मना करना लक्षण है न कि समस्या। नौकरी में रूचि की कमी, क्षमता की कमी अथवा अनुकूल वातावरण की कमी होना समस्या हो सकती है।

यदि आप इस प्रकार की समस्या का सामना कर रहे हैं और आपके केन्द्रीय विद्यालय के प्रदर्शन का ग्राफ निराशाजनक स्थिति की ओर जाता प्रतीत हो रहा है, तो आप निम्नानुसार कार्य करें–

1. प्रेरणा ही कार्य के संपादन का सबसे सशक्त साधन है। प्रबन्धन सम्बन्धी सभी उच्च कोटि की पुस्तकें भी इस बात की पुष्टि करती है। आपको इसको सही तरीके से समझना और प्रयोग में लाना होगा । प्रेरणा मूलभूत और विशिष्ट होती है। टीम के सदस्यों को स्वयं यह समझना होगा कि उन्हें क्या प्रेरित करता है और तब ही वे उस दिशा में कार्य करने में समर्थ हो सकते हैं । यद्यपि प्राचार्य के रूप में कार्य निष्पादन, कार्य की रूपरेखा और क्षमता संबंधित कार्यो में आपकी भूमिका सीमित है, तथापि आपको एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी है–जैसे अपनी टीम के लिए उचित वातावरण तैयार करना, जिसमें वह प्रेरित अनुभव कर प्रदर्शन कर सकें । एक अन्य महत्वपूर्ण भूमिका, जो आपको निभानी है– स्टाफ और विद्यार्थियों के कार्य निष्पादन का नियमित रूप से अवलोकन करें और उनको नियमित फीडबैक भी प्रदान करें। (इसे हम MRAP और Error Analysis कहते हैं) हम सभी मानते हैं कि सम्मान और पुरस्कार हमेशा प्रेरित करते हैं और जो पुरस्कृत होता है, वह गुणवत्ता सहित पूर्ण भी होता है। एक मैनेजर जो सही आचरण के लिए पुरस्कृत नहीं कर पाता गलत परिणाम प्राप्त करता है ।इसलिए मैं यह सलाह देता हूँ कि अपने स्टाफ को कार्य करने की दिशा में सदैव प्रेरित करते रहें । उनकी सभी विशिष्टताओं को एकत्र कर एक प्रभावी रूपरेखा तैयार करें ।यदि आप अपने आसपास के लोगों को व्यक्तिगत तौर पर तथा व्यवसायिक स्तर पर प्रभावित करना चाहते हैं, तो उसका एकमात्र उपाय यही है कि आप उनकी आवश्यकताओ को समझें और उन्हें उसी के अनुरूप प्रेरणा प्रदान करें।

प्रेरणा वाहन में एक्सीलेटर की तरह होती है । एक वाहन एक्सीलेटर द्वारा निर्धारित गति पर चलता है । जैसे ही एक्सीलेटर कम करते हैं वैसे ही वाहन की गति कम हो जाती है और यदि फिर से एक्सीलेटर न दिया

जाए तो वाहन रूक जाता है । वैकल्पिक रूप से ब्रेक लागने पर वाहन की गति में अचानक कमी हो जाती है और वाहन ठहर जाता है।

यह बात मनुष्यों के लिए भी सत्य है , जब तक उन्हें प्रोत्साहन मिलता रहता है वे कार्य करते हुए परिणाम देते रहते हैं। जिस क्षण भी उनकी प्रेरणा में कमी आती है, परिणाम धूमिल होने लगते हैं। निश्चित रूप से ब्रेक, रूकावटें (असंतोष/उत्साहभंग) उन्हें विराम की ओर ले जाते हैं । अन्तर केवल इतना है कि वाहन की अपेक्षा मानवों में अलग प्रकार के प्रेरक एवं रोधक होते हैं । आपका कार्य यह है कि आप उन कारकों को पहचाने, जो आपकी टीम की गति को त्वरित अथवा कमतर करते हैं। इस प्रकार आप अपने वाहन अर्थात् अपनी टीम का सर्वोत्तम प्रयोग कर पायेंगे।

आपको सर्वाधिक लाभ तब प्राप्त होगा जब आप समस्या के कारकों को सिर्फ समझे ही नहीं , अपितु उन्हें दूसरों केसाथ साझा करते हुए प्रयोग में लाएं, जिसके फलस्वरूप आपके परिणाम आश्चर्यजनक रूप से बढ जाएगें। इसके साथ ही कहीं से कोई अन्य सांकेतिक जानकारी प्राप्त करने में भी कोई नुकसान नहीं है , यदि आप उस विचार को सही रूप में विस्तार दे पाते हैं ।

वास्तव में अपने विचारों को दूसरों के साथ साझा करने से दूसरों को भी मदद मिलती है । इस प्रकार एकत्रित तथ्य/विचार को अपनी परिस्थितियों के अनुरूप बनाने के लिए आपको पुनः कार्य करना होगा।

2. 15 अगस्त 2015, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शतप्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने का दृढ संकल्प लें । इसको प्राप्त करने में प्रेरणा ही सहायक सिद्ध होगी । प्रेरणा और निर्भीकता ही ऐसे दो तत्व हैं जो आपको सफल कर सकते हैं। आप सवयं को अपने मस्तिष्क से और अपनी टीम को अपने हदृय से संचालित करने का प्रयास कीजिए क्योकि ये दोनों ही आपके पास प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं।

3. मैं आपको यह सुझाव नहीं दे रहा कि आप जाइए और मोंटेजुमा के खजाने को ढूंढिये। मैं केवल आपको सलाह दे रहा हूँ कि सवोत्कृष्ट खोज अभी भी खोजी जानी बाकी है, और वह है– अवसरों को तलाशने की। आपके अंतरमन में जो अविकसित, अप्रयुक्त सामर्थ्य है, उसे ढूंढ लेना ही खोया हुआ खजाना ढूंढने जैसा है । इस खोज के उपरांत परिणाम निश्चित ही आश्चर्यजनक होंगे। यदि आपने अंत को गौरवमयी बना दिया, तो आपके भूतकाल अथवा प्रारम्भ में हुई असफलता को कोई याद नहीं रखेगा । अर्थात् मार्च 2016 के परीक्षा परिणाम का गौरवमयी होना। उत्कृष्ट परिणामों के लिए शुभकामनाएं।

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 10.08.2015 के हिन्दी अनुवाद का प्रयास है।

सादर

डा. (श्रीमती) बी.कौर
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय,
भोपाल संभाग

प्रतिलिपिः
सहायक आयुक्त, के.वि.सं., भोपाल संभाग को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।